**प्रकाशनार्थ**

गोरखपुर, 13 जनवरी। **मकर संक्रान्ति के अवसर पर महायोगी भगवान गोरखनाथ जी को चढ़ाई जाने वाली खिचड़ी 15 जनवरी, 2019 को ब्रह्ममूहुर्त से प्रारम्भ होगी। उक्त निर्णय श्रीगोरखनाथ मन्दिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में सम्पन्न विद्वत परिषद् की बैठक में हुआ। इस सम्बन्ध में श्रीगोरखनाथ मन्दिर प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष 14 जनवरी, 2019 दिन सोमवार को रात्रि 2.13 बजे सूर्य नारायण धनु राशि से मकर राशि में संक्रमण करेंगे, इसलिये मकर सक्रान्ति का पुण्यकाल उदया तिथि में दूसरे दिन अर्थात् 15 जनवरी, 2019 दिन मंगलवार को निर्विवाद रूप से मनाया जायेगा और बुढ़वा मंगल का पर्व 22 जनवरी, 2019 को होगा।**

**मकर संक्रान्ति के अवसर पर शुभकामना देते हुए उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी** ने कहा कि जगत् पिता सूर्य की उपासना एवं सामाजिक समता का महापर्व है 'मकर संक्रान्ति'। उन्होनें कहा कि 'मकर संक्रान्ति' के अवसर पर श्री गोरखनाथ मन्दिर में आयोजित होने वाला परम्परागत खिचड़ी मेला की तैयारी पूर्ण हो चुकी है। इस अवसर पर शिवावतार बाबा गोरखनाथ जी को अपनी पवित्र खिचड़ी चढ़ाने के लिये आने वाले श्रद्धालुजनों की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। खिचड़ी का महापर्व भारत की पर्व एवं त्योहारों की परम्परा में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस दिन से सूर्य नारायण उत्तरायण में प्रवेश करते है जो सनातन हिन्दू धर्म–संस्कृति में हर प्रकार के शुभ एव मांगलिक कार्यो को प्रारम्भ करने के लिये पुण्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के अन्दर अलग–अलग नाम एवं रूप में यह पर्व मनाया जाता है। उत्तरी भारत में जहॉ इसे 'खिचड़ी महापर्व' के रूप में इस त्योहार को मनाया जाता है वहीं दक्षिण भारत में 'पोंगल', पंजाब में 'लोहड़ी', बंगाल में 'तिलवा संक्रान्ति', असम में 'बिहु' आदि नामों से इस पर्व एवं त्योहार को मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री गोरखनाथ मन्दिर में लगने वाला ऐतिहासिक खिचड़ी मेला प्रारम्भ हो रहा है। 'मकर संक्रान्ति' का पुण्य काल 15 जनवरी को प्रातः से सांय काल तक होने के कारण इसके लिये विशेष व्यवस्था मन्दिर की ओर से और जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर–निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे, परिवहन निगम, पी0डब्लू0डी0 आदि ने की है। किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिये मन्दिर की ओर से रात्रि रूकने वाले श्रद्धालुओं के लिये आवासीय व्यवस्था भी है साथ ही श्रीनाथ जी का सभी श्रद्धालुजन सुविधाजनक ढंग से दर्शन कर सके इसके लिये अनेक स्वंय सेवक लगाये गये है। मन्दिर परिसर व मेला परिसर की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर रखने के लिये जगह–जगह सी0सी0 कैमरें लगाये गये है एवं वाच टावर भी बनाये गये है। पुलिस प्रशासन तथा अन्य शासन से जुड़ी संस्थाओं ने भी अपनी ओर से भी सुदृढ़ व्यवस्था है।